UNIT-V

GANDHIAN IDEOLOGY

गांधीवाद महात्मा गांधी के आदर्शों, विश्वासों एवं दर्शन से उद्भूत विचारों के संग्रह को कहा जाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेताओं में से थे। यह ऐसे उन सभी विचारों का एक समेकित रूप है जो गांधी जी ने जीवन पर्यन्त जिया था। गांधी जी एक उदारवादी व्यक्ति थे।

गांधीवाद दर्शन न केवल राजनीतिक नैतिक और धार्मिक है, बल्कि पारंपरिक और आधुनिक और सरल एवं जटिल भी है। इसमें प्राचीन भारतीय संस्कृति निहित है। गांधीवादी सिद्धांत आदर्शवाद पर नहीं, यथार्थवादी आदर्शवाद पर जोर दिया जाता है।

गांधी जी ने विभिन्न प्रेरक स्रोतों जैसे भगवद्गीता, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, बाइबिल, गोपाल कृष्ण गोखले टॉलस्टॉय, जॉन रस्किन आदि से इन सिद्धांतों का विकास किया।

प्रमुख गांधीवादी विचारधारा:—

1. सत्य और अहिंसा 2. सत्याग्रह 3. सर्वोदय 4. स्वराज 5. ट्रस्टीशिप 6. स्वदेशी।

इन विचारों को बाद में गांधीवादियों द्वारा भारत में विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण तथा भारत के बाहर मार्टिन लूथर किंग जूनियर और अन्य लोगों द्वारा विकसित किया गया विशेष रूप से।

गांधीवादी विचारधारा आदर्शवाद पर नहीं, बल्कि व्यावहारिक आदर्शवाद पर जोर देती है। उनके अनुसार सभी व्यक्ति उनके नैतिक विकास और सुधार करने के लिए सक्षम हैं।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
S.B. College, Ara
M.A. (SEM-3) Session: 21-23
21.02.2024
Class. 1 (one)
Mob: 8809947478
Email Id:
ukrai.sasaram@gmail.com